

अनदेखी : प्रदूषण विभाग की उदासीनता के कारण नदियों का पानी हो रहा जहरीला, दोषियों पर नहीं हो रही कार्रवाई

आउटसोर्सिंग कंपनियों का मलबा धड़ले से गिर रहा नदियों में

वायु प्रदूषण की मार झेल रहे
गांगीण अब जल प्रदूषण की
मार भी झेल रहे

संजय कुमार

धनबाद (आजाद सिपाही)।

दामोदर की साहायक नदियों जहाँ प्रदूषण की मार झेल कर दम तोड़ने को मजबूर हैं, वहाँ दामोदर पर भी खतरा रहा है। कोले कंपनियों के अलावा जितने भी कल कारखाने दामोदर के निकट हैं, वे दामोदर को जहरीला बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

हाल ही में भीषा के इ.जी.एसी अंगत आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा दामोदर में मलबा गिराने से नदी का पानी तो जहरीला हो गया। इसके कारण करोड़ों हजारों पेड़-पौधे भी नष्ट हो गये।

वायु प्रदूषण की मार झेल रहे ग्रामीण अब जल प्रदूषण की मार झेलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायत किये जाने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रांची ने बुलाया था, शिकायत में काम के दौरान जो डर्ट जम हो रही थी, उस पर अपत्त जतायी गयी थी। हम लोगों ने पानी छिड़काव की दो गाड़ियां पहले से ही लगा रखी हैं। शिकायत अपत्त के बाद उसे हम लोगों ने चार-पांच करिया है, जिससे वह 100 करोड़ का जुर्माना वर्षों नहीं लगाया रहा है। दामोदर नदी कियारे अब औंची भी नहीं गिराया जा रहा है। फिलहाल उसे बंद कर



स्पष्टीकरण मांगा गया है : जितेंद्र प्रसाद सिंह

इस संबंध में झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण प्रबंध घनवाद के क्षेत्रीय अधिकारी जितेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि दामोदर नदी में मलबे को डंप करने को लेकर लगातार ग्रामीणों द्वारा शिकायत आ रही थी।

कंपनी पर क्यों जुर्माना नहीं लगाया जाये, इस पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए, अपना पक्ष रखने की बात कही गयी थी। उन्हें रांची बुलाया गया था। रांची में व्या बातीत हुई है, इसकी आधिकारिक जानकारी भी पास नहीं आयी है। इ.जी.एसी भाँग महाप्रबंधक का कहना है कि इस विषय में मुझे जनकारी नहीं है, प्रोजेक्ट ऑपरेटर से संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं। एकेजेट

ऑफिसर से बात करने पर पता चला कि अभी वह और छुट्टी पर है।

क्या कहते हैं पर्यावरण जीएम कोयला भवन

ग्रामीणों की शिकायत पर हम लोगों को प्रदूषण बोर्ड रांची ने बुलाया था, शिकायत में काम के दौरान जो डर्ट जम हो रही थी, उस पर अपत्त जतायी गयी थी। हम लोगों ने पानी छिड़काव की दो गाड़ियां पहले से ही लगा रखी हैं। शिकायत अपत्त के बाद उसे हम लोगों ने नोटिस भेजा। साथ ही कंपनी पर चार-पांच करिया है, जिससे वह 100 करोड़ का जुर्माना वर्षों नहीं लगाया रहा है। दामोदर नदी कियारे अब औंची भी नहीं गिराया जा रहा है। इस पर जबाब मांगा। प्रदूषण बोर्ड की सख्ती से ग्रामीणों

दिया गया है और अभी प्रदूषण बोर्ड की ओर से भाँग मर्मान हम पर नहीं लगाया गया है।

क्या कहते हैं वन प्रमंडल अधिकारी

वन प्रमंडल अधिकारी विकास

जलद से जलद हटाने को कहा गया

पालीबाल से बात करने पर उन्होंने बताया कि यह मामला मेरे संज्ञान में है। मेरी अध्यक्षता में उपर्युक्त ने एक कमेटी बनायी है, जिसमें डीपमओ, सीओ, प्रदूषण विभाग को शामिल किया गया है। नदी में मलबा डंप किया गया है, जिसे जलद से जलद हटाने को कहा गया

है और जो भी जरूरी कागजात है, उसे पदाधिकारी को लेकर आपे को कहा गया है। बीसीसीएल एवं अन्य कंपनियों ने तो नदियों तक को भी नहीं छोड़ा। आंकड़ा जेरिया, कालि-जारिया, जमुनिया, खुरिया, गरामा, कतरी आदि जिनमें भी कोयला की साहायक नदियों हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है। शहर के बीच-बीच दामोदर की साहायक नदियों हैं, करीब सात से बहुमीठे लोगों द्वारा प्रदूषण के क्षेत्र में कभी बरियां हुआ करते थे। बीसीसीएल या उन कंपनियों ने कहा था कि कोयला निकाल कर उस जगह को फिर से उसी तरह बसा कर हरा भरा कर दिया जायेगा, लेकिन आज बीसीसीएल की लगातार घटनाएँ द्वारा कोयला के कानूनी अवैधति द्वारा बहुमीठे लोगों में त्रुटि होने पर कार्रवाई की जायेगी।

समाजसेवी रामचंद्र खानी ने यह कहा

शहर वर्षों से प्रदूषण की मार झेलता चला आ रहा है। विश्वकर्मा आउटसोर्सिंग पेच से उड़ने वाली डस्ट से इंडस्ट्री कोयलारी, टिकारापारा, बीसीसीएल कॉलोनी, अस्पताल मोहल्ला की करीब 12 हजार आदामी इसका दंश ढाल रही है। जारखंड किसान विकास संघ के अध्यक्ष समाजसेवी रामचंद्र खानी

ने भी कई बार प्रदूषण के मुद्दे को लगातार उठाया है। उनका साफ कहना है कि इस तरह का मामला नया नहीं है। दामोदर को प्रदूषण करनेवाले जितने भी कल कारखाने हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है। आंकड़ा जेरिया, कालि-जारिया, जमुनिया, खुरिया, गरामा, कतरी आदि जिनमें भी कोयला की साहायक नदियों हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है। आंकड़ा जेरिया, कालि-जारिया, जमुनिया, खुरिया, गरामा, कतरी आदि जिनमें भी कोयला की साहायक नदियों हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है।

आनेवाली पीढ़ियों को भी प्रदूषण की मार से बचा पाना युक्तिकाल दिख रहा है। बीसीसीएल एवं अन्य कंपनियों ने तो नदियों तक को भी नहीं छोड़ा। आंकड़ा जेरिया, कालि-जारिया, जमुनिया, खुरिया, गरामा, कतरी आदि जिनमें भी कोयला की साहायक नदियों हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है। आंकड़ा जेरिया, कालि-जारिया, जमुनिया, खुरिया, गरामा, कतरी आदि जिनमें भी कोयला की साहायक नदियों हैं, उनको कई बार प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय द्वारा फटकार लगायी गयी है, पर इसका कोई खास असर इन कंपनियों पर नहीं आया है।

e-Tender Notice No.: 47-KUR-TRD-OT-2023-24, Dtd. 01.01.2024

कार्य का नाम : योग्यता भवन के लिए विभिन्न में 08 रेसेनों (धौलीपुरान, गोलावार, MKTP, SLZ, गोलावर, तुला रोड, बर्दावा, बर्दावा) में लोगों से हाई रेटिंग के लिए विभिन्न में OHE लाइसेंस कार्य का नियंत्रण।

विभाग पूल्प : ₹ 1,30,80,164.79

ईप्सनी : ₹ 2,15,400/-

पूर्णता अवधि : 180 दिन

नियंत्रण दर : जो तिथि एवं समय : 24.01.2024 को 1300 बजे

e-Tender Notice No.: 47-KUR-TRD-OT-2023-24, Dtd. 01.01.2024

कार्य का नाम : योग्यता भवन के लिए विभिन्न में 32 रेसेनों (धौलीपुरान, गोलावार, तुला रोड, बर्दावा) के लिए विभिन्न में OHE लाइसेंस कार्य का नियंत्रण।

विभाग पूल्प : ₹ 16,96,208.12

ईप्सनी : ₹ 33,900/-

पूर्णता अवधि : 180 दिन

नियंत्रण दर : जो तिथि एवं समय : 24.01.2024 को 1300 बजे

नियंत्रण लाइसेंस पूल्प विभाग www.reps.gov.in पर उपलब्ध है।

बर्दावा भवन लियूट अधिकारी (टीआरडी) लोगों

PR-956/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

e-Tender Notice No.: 46-KUR-TRD-OT-2023-24, Dtd. 01.01.2024

कार्य का नाम : योग्यता भवन के लिए विभिन्न में 08 रेसेनों (धौलीपुरान, गोलावार, MKTP, SLZ, गोलावर, तुला रोड, बर्दावा, बर्दावा) में लोगों से हाई रेटिंग के लिए विभिन्न में OHE लाइसेंस कार्य का नियंत्रण।

विभाग पूल्प : ₹ 1,30,80,164.79

ईप्सनी :

संपादकीय

लोकतंत्र का सवाल

प ढ़ेरी बांग्लादेश में रविवार को 12वें आम चुनाव हिंसा की घटनाओं और बहिष्कार की अपीलों के साथ में संपन्न हुए। ये चुनाव इस बात का भी संकेत है कि किसी देश में लोकतंत्र के दांचे के बने रहे हुए भी अगर लोकतंत्रिक चेतना कमपार पड़ने लगे तो वहां चुनाव लोगों के नजर में साधकता खाने लगते हैं। इसका सबूत यह है कि इन चुनावों में भवतन प्रतिशत काफ़ी कम रहा। फहले चार घंटों में मात्र 18.5 फ़ीसदी वोट दर्ज किये गये थे। हालांकि जहां तक इन चुनावों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता का सवाल है, तो उस पर नजर रखने के लिए 100 से ज्यादा विदेशी प्रेक्षक बांग्लादेश में जोगूदा हैं, जिनमें 3 भारतीय भी हैं। इन प्रेक्षकों की रिपोर्ट का अंतर्राष्ट्रीय बिरागी इंतजार करेगा, लेकिन देश के अंदर के महालों को बात करें, तो चुनावों के विशेष का भाव भले हो, इसके नतीजों को लेकर किसी तरह का सर्वेसं नहीं है। मर्तों की मिसाई का काम सोमवार सुबह से शुरू हो गया था, जैसे कि यह बात तब मानी जा रही है कि जोगूदा प्रधानमंत्री शेष हसीना फिर से सत्तारूढ़ हो गयी। यह उनका कुल मिला कर पांचवां और लगातार चौथा कार्यकाल है। परिणामों को लेकर इस तरह की निश्चितता की जबह यह है कि मुख्य विपक्षी पार्टी बीपीपी इन चुनावों में हिस्सा ही नहीं ले रही थी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रात्याचार के आरोपों में घर बांग्लादेश में लंबे नजर रहे हैं और उनकी पार्टी बीपीपी ने इन चुनावों के बहिष्कार की अपील कर रखी है। चुनावों से फहले ही हजारों की संख्या में विपक्ष के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक परिपत्र की जाचुके हैं। जैसे, नेतर नेतर करना कठिन होगा। वहां, मैं विशेष रूप से शीर्ष स्तर के लिए नेताओं के चयन के पुण्ड पर चर्चा करूँगा। इस प्रक्रिया में बहुत अधिक तदर्थवाद दिखायी देता है। सीआरपीए के पास आज 246, बीएसएफ के पास 193 और आइटीबीपी के पास 56 बटालियन हैं और एसएसबी के पास 73 बटालियन हैं। एनएसबी के छोटा गठन है, लेकिन यह एक बहुत ही विशिष्ट इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

बांग्लादेश की जमीन से भारत में आतंकवादी हटकतों को अंजाम देने वाले तत्वों पर भी काफ़ी हद तक लगाम लगायी गयी है। चुनावों के बाद जो भी सरकार आयी उसके साथ भारत अपने संबंधों को नवी ऊर्ध्वांदे देने का काम जारी रखेगा।

समय से राजनीतिक स्थिरता रही है। शेष हसीना 2008 से लगातार सत्ता में है। उन्हें बांग्लादेश को अर्थिक विकास की राह पर तेजी से अग्र बढ़ाने का श्रेय भी दिया जाता है। कुछ साल पहले तक बांग्लादेश की गामेंट इंडस्ट्री की बढ़त को एक मिसाल के तौर पर फेश किया जाता था। हालांकि 2022 के बाद से इसकी ग्रोथ पहले जैसी नहीं रही। अब चुनावों के बाद विपक्ष के अवधारणा को संभालना को देखते हुए माना जा रहा है कि नवी सरकार के लिए अर्थिक सुधारों की प्रक्रिया अग्र बढ़ावा इडॉपीमी को फिर से पठारी पर लाना शायद असान हो। भारत सरकार ने ठीक ही यह एकदम स्पष्ट कर रखा है कि चुनावों पूरी तरह से बांग्लादेश का आतंकिक मामला है। बांग्लादेश के साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं और हाल के वर्षों में उन्हें और सुधार देखें में आया है। बांग्लादेश की जमीन से भारत में आतंकवादी हटकतों को अंजाम देने वाले तत्वों पर भी काफ़ी हद तक लगाम लगायी गयी है। चुनावों के बाद जो भी सरकार आयी उसके साथ भारत अपने संबंधों को नवी ऊर्ध्वांदे देने का काम जारी रखेगा।

अभिमत आजाद सिपाही

सीआरपीए के पास आज 246, बीएसएफ के पास 193 और आइटीबीपी के पास 56 बटालियन हैं और एसएसबी के पास 73 बटालियन हैं। एनएसबी एक छोटा गठन है, लेकिन यह एक बहुत ही विशिष्ट इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी के नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की अनदेखी क्यों

प्रकाश सिंह

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीआरपीएफ) के साथ सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। भारत सरकार उनकी जनसक्ति (अब महिला शक्ति भी) बढ़ा रही है, उन्हें बेहतर उपकरण और संसाधन दे रही है और उनके वार्षिक बजट में वृद्धि कर रही है, लेकिन उनके कामकाज के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर सरकार का पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है और यह उनके अनुशासन, मनोबल और युद्ध क्षमता को नुकसान पहुँचा रहा है।

इस आलंख में सभी बिंदुओं को नेतृत्व करने वाले जानकारी के बिंदुओं को नेतृत्व करने के लिए नेताओं के चयन के पुण्ड पर चर्चा करूँगा। इस प्रक्रिया में बहुत अधिक तदर्थवाद दिखायी देता है। सीआरपीएफ के पास आज 246, बीएसएफ के पास 193 और आइटीबीपी के पास 56 बटालियन हैं और एसएसबी के पास 73 बटालियन हैं। एनएसबी के छोटा गठन है, लेकिन यह एक बहुत ही विशिष्ट इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

सीआरपीएफ के लिए ऐप अधिकारी को नौकरी एवं रक्षा बहुत अनुरित है, जिनमें 3 दस्तकों से दर्दी नहीं होनी है।

सरकार को इन सीआरपीएफ (सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स) के महानिदेशक पद पर अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आपका चयन करने के लिए चाहिए। इस प्रकार यह एक नियुक्ति पर विशेष इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

करने चाहिए। इस प्रकार यह नियुक्ति किया जाएगा।

अधिकारी अपने सामने आने वाली समस्याओं को लेकर अपने जानकारी/आइजी/आइजी के लिए आपको चयन करने चाहिए। इस प्रकार यह एक नियुक्ति पर विशेष इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

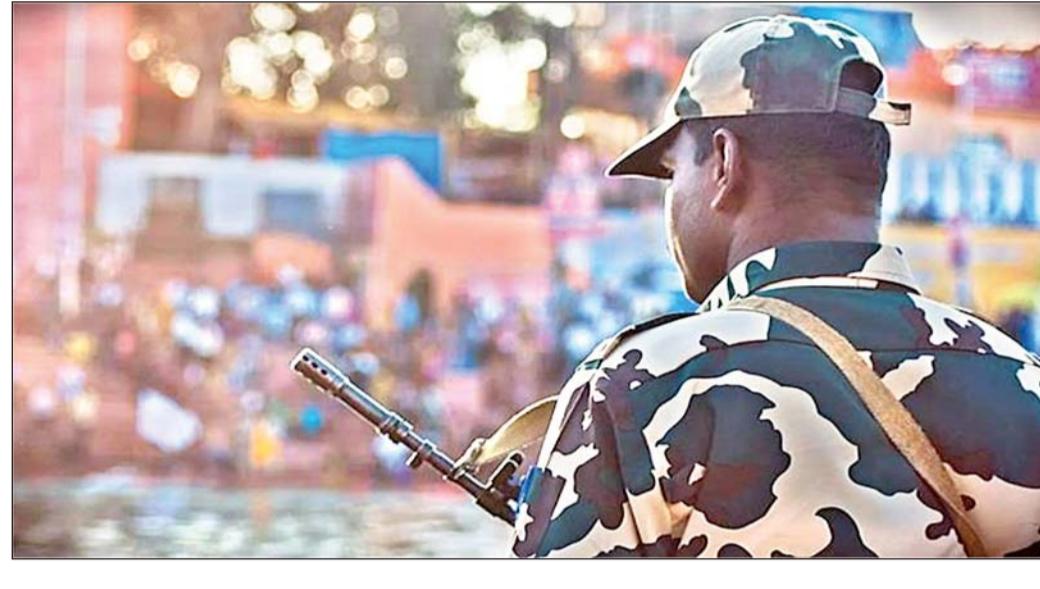
करने चाहिए। इस प्रकार यह नियुक्ति किया जाएगा।

अधिकारी अपने सामने आने वाली समस्याओं को लेकर अपने जानकारी/आइजी/आइजी के लिए आपको चयन करने चाहिए। इस प्रकार यह एक नियुक्ति पर विशेष इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

करने चाहिए। इस प्रकार यह नियुक्ति किया जाएगा।

अधिकारी अपने सामने आने वाली समस्याओं को लेकर अपने जानकारी/आइजी/आइजी के लिए आपको चयन करने चाहिए। इस प्रकार यह एक नियुक्ति पर विशेष इकाई है। ये बड़ी ताकतें हैं और इन्हें बिल्कुल प्रथम श्रेणी की नेतृत्व की आवश्यकता है, जो आगे बढ़ कर नेतृत्व करें, कर्मियों को प्रेरित करें तथा उनके कल्याण की देखभाल करें।

करने चाहिए। इस प्रकार यह नियुक्ति किया जाएगा।



सीएपीएफ साल के हर दिन आंतरिक सुरक्षा समस्याओं से निपट रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्हें एक दिन के लिए भी नेतृत्व विहीन नहीं होना चाहिए। सभी अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की तारीखें ज्ञात हैं। इसके लिए केवल उच्चतम स्तर पर योजना और समय पर निर्णय की आवश्यकता है।

जिनका नेतृत्व करने की उससे अपेक्षा की जाती है। ऐसे अधिकारियों के पुनर्वास के लिए सरकार की चिंता समझ में आती है। बेहतर होगा कि उन्हें किसी ऐसे मंत्रालय में उनके कामकाज के पद पर पदवीर्ती पर विचार किया जायेगा। बिना अनुभव वाले अधिकारियों के सेना में सामिल होने पर काफ़ी नाराजगी है। वरिष्ठ आइजी अधिकारी, जो दशकों से सेवा कर रहे, सगठन में शीर्ष स्तर तक पहुँचने में शक्ति का नहीं है, उन्हें सीएपीएफ के प्रथम संस्थान में शीर्ष तक पहुँचने के लिए डॉर्पिंग ग्राउंड नहीं बनना चाहिए, जो उस संगठन में शीर्ष तक पहुँचने के लिए एक में महानिदेशक पद पर रखना चाहिए। सीएपीएफ के लिए ऐसे अधिकारियों को उनकी नौकरी पर रखना चाहिए।

जिनका नेतृत्व करने की उससे अपेक्षा की जाती है। ऐसे अधिकारियों के पुनर्वास के लिए सरकार की चिंता समझ में आती है। बेहतर होगा कि उन्हें किसी ऐसे मंत्रालय में उनके कामकाज के पद पर पदवीर्ती तक पहुँचने वाले अधिकारी आइजी नहीं हैं। यह उनका नेतृत्व करने के लिए एक दिन के लिए नियमित विवरण नहीं है। 2022 में एसएल आथोरेसन के तबादले के बाद जब तक रश्मी शुक्ला की पेस्टिंग नहीं हुई, तब तक 5 महीने तक एसएसबी में कोई नियमित विवरण नहीं होता है। 2022 में एसएल आथोरेसन के तबादले के बाद जब तक रश्मी शुक्ला की पेस्टिंग नहीं हुई, तब तक 5 महीने तक एसएसबी में कोई नियमित विवरण नहीं होता है। 2022 में एसएल आथोरेसन के तबादले के बाद जब तक रश्मी शुक्ला की पेस्टिंग नहीं हुई, तब तक 5 महीने तक एसएसबी में कोई नियमित विवरण नहीं होता है। 2

रांची-आसपास

तमाड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के बाहर तिरंगा स्थल का हो रहा अपमान

अधिकारी आंख बंद किये रोज आते-जाते हैं, किसी ने रोक-टोक नहीं की

चप्पल पहने लोग तिरंगा
स्थल के ऊपर बैठ जाते
हैं, कोई मनाही नहीं

स्वरूप भट्टाचार्य

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समीप भारत के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त और गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को भारत का स्वाधिमान झंडा फहराया जाता है। लेकिन उस बीच पर लोग बैठे रहते हैं उसके ऊपर बच्चे खेलते रहते हैं। आज उस बक्क पर्फेटो लिया गया



जब कांफ्रेस हाल में तमाड़ के विधायक विकास कुमार मुंडा समीक्षा बैठक कर रहे थे। सभी

पंचायत समिति सदस्य, बीड़ीओ, सीओ और प्रखंड सह अंचल के समीप विश्वालय के पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस तरह यहां तिरंगा स्थल को अपमानित किया जा रहा है। इस स्थल की समीक्षा बैठक में आये अधिकारियों ने भी अनेकों को। अधिकारी भी यहां से आंख मूँदे हुए निकल गये। किसी ने तिरंगा स्थल के हो रहे अपमान पर कुछ

नहीं कहा। इस झंडा के लिए कितने लोग शहीद हुए। कितनी मां की कोशु दुर्गा हुई। आज विधायक और अधिकारी शायद इसे भूल गये हैं। कितनी बड़ी विडंबना है कि आज हम आजादी दिलाने वाले लोगों को भूलते जा रहे हैं और तिरंगे झंडे के स्थल को अपमानित कर रहे हैं। अभी 26 जनवरी आ रहा है जहां हम फिर यहां पर शीश झुकायेंगे।

समाज में बदलाव के लिए जिम्मेदारी जरूरी : प्राचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता



खूंटी। एनएसएस समन्वयक डॉ ब्रजश कुमार रांची विश्वविद्यालय, रांची ने सोमवार को कालेज में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एनएसएस से संबंधित कई जानकारी से रूबरू कराया। एनएसएस का मंटो में नहीं आप (नटी मी बट यु) के महत्व को समझाते हुए सहबाग के महत्व को बताया और समाज से व्यक्तिगत प्रयास से कैसे जुड़ा जाता है, की तस्वीर रखी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कई सवाल भी किए। जबाब उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया। इसमें बिरसा कालेज के एनएसएस प्रोग्रामिंग औफिसर डॉ पुष्पा सुरीन और तारीफ लुगुन ने बच्चों को बताया कि यह एहसास करते हुए कहा कि यह मुहिम प्रथानमन्त्री ने देंद्र मोदी द्वारा खुंटी से ही प्रारंभ था। उन्होंने इस विषय पर होने वाली कालिकारी की जानकारी भी दी। युवा दिवस के अवसर पर 11 जनवरी से 17 जनवरी तक सड़क सुक्ष्मा सपाह का भी आयोजन कर्मजों को जानकारी दी और विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतिशेषिताओं के लिए।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा आज खूंटी आयेंगे

खूंटी (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री जनवरीत इस कृषि मंत्रालय भारत सरकार और खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा ने जनवरी को खूंटी के दोरे पर आयेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया की अर्जुन मुंडा सुबह 10 बजे खूंटी के महादेव दोली शिवलय रोड पहुंचेंगे और स्व एतवा नायक के परिजनों से मुलाकात करेंगे। पूर्वाहन 11 बजे केंद्रीय मंत्री प्रखंड के गुरुदात जायेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहां से वे बिरसा एवरपोर्ट रंगी जायेंगे और राष्ट्रपुर के लिए रवाना हो जायेंगे।

शहीद शेख भिखारी व टिकैत का शहादत दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता



खलारी। खलारी बैंक चौक स्थित मैदान में सोमवार को शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव सिंह का शहादत दिवस मनाया गया। शेख भिखारी एवं टिकैत उमराव सिंह मेंप्रायिक रूप से जैविक विद्युत देवी, रैयत विश्वासित मोर्चाओं के केंद्रीय उपचायक अंसारी और मजदूर नेता सह पूर्व जिप सदस्य अन्दुल्ला अंसारी के अध्यक्षाता में वीर शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव के दोरे पर आयेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया की अर्जुन मुंडा सुबह 10 बजे खूंटी के महादेव दोली शिवलय रोड पहुंचेंगे और स्व एतवा नायक के परिजनों से मुलाकात करेंगे। पूर्वाहन 11 बजे केंद्रीय मंत्री प्रखंड प्रद्वानक के गुरुदात जायेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहां से वे बिरसा एवरपोर्ट रंगी जायेंगे और राष्ट्रपुर के लिए रवाना हो जायेंगे।

सकारात्मकता से खुशी आती है और यह मंजिल तक ले जाती है: मुकेश

आजाद सिपाही संवाददाता



अहमद व विश्वास अंतिथि जिप सदस्य सरस्वती देवी, रैयत विश्वासित मोर्चाओं के केंद्रीय उपचायक आलम, सारिव अंसारी, मुख्याया इकबाल हुसैन, इस्लाम अंसारी, तेजी किस्योद्धा, पारसानाथ उरांव, मल्का मुंडा उपस्थित थे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अंतिथि पुरुषांडीह परियोजना पदाधिकारी शकील

की शुरूआत मुख्य अंतिथि सहित अन्य अंतिथियों ने वीर शहीदों के चित्र पर पूजांजलि अंपित कर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अंपित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व पंसस मार्शित देवी, अफजाल अंसारी, जुल्फान आलम, इदरश अंसारी, सुनील चिंह, सोनू पांडे, लखन गंजु, हासन खुशारी, कलिम खान, मजहर आलम, फिरज आलम, कदिर अंसारी, रूबी यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में काफी लोगों से सहायता योगदान रहा है।

ग्रामीण प्रदेश महासचिव इंदिरा तुरी, काग्रेस जिला महासचिव तनवीर आलम, सारिव अंसारी, मुख्याया इकबाल हुसैन, इस्लाम अंसारी, तेजी किस्योद्धा, पारसानाथ उरांव, मल्का मुंडा उपस्थित थे। कार्यक्रम के हो रहे थे।

ग्रामीण प्रदेश महासचिव इंदिरा तुरी, काग्रेस जिला महासचिव तनवीर आलम, सारिव अंसारी, मुख्याया इकबाल हुसैन, इस्लाम अंसारी, तेजी किस्योद्धा, पारसानाथ उरांव, मल्का मुंडा उपस्थित थे। कार्यक्रम के हो रहे थे।

आज यही खुशी मंजिल तक ले जाती है। चौहान ने सकारात्मकता की ताकत को समझते हुए कहा कि चारों वीर शहीदों के चित्र पर घोंसले से एक छोटी सी चिड़िया नीचे गिर गयी। छोटी चिड़िया चौर्ची चिल्ला रही थी। ऊपर पेड़ पर से कई और चिड़ियों ने उनके बीचों से उपस्थित हो रही थी।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

कहा कि मासें को लेकर बिजली की विधायक नीलकंठ मुंडा को प्रधानमन्त्री की साथ उपस्थित हो रही है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

कहा कि मासें को लेकर बिजली की विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा को भी दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

कहा कि मासें को लेकर बिजली की विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा को भी दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

मौके पर लाइफ लेयर हॉस्पिटल के खुशी दूत संदेश वाले ने बताया कि यह बच्चों को दी गयी है।

